आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 125 | उज्जैन, शनिवार 29 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ बढ़ रहा-मुख्यमंत्री

राजभवन में कर्मयोगी बने कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इतिहास के ऐसे पड़ाव पर पहुंच गया है, जहां से साफ दिख रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। कर्मयोगी भाव, भावनाओं के साथ विकसित भारत के लिए प्रतिबद्ध प्रयास समय की जरूरत है। कर्मयोग दैनिक जीवन में उच्चतर उद्देश्य के लिए आगे बढ़ने का वह रास्ता है जो व्यक्तिगत उन्नति के साथ समाज सुधार और सेवा का प्रभावी साधन है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी विभिन्न भाषाए, बोलियां, मनोभाव और मूकभाव सभी संस्कृति के वह

आभूषण है, जिन पर हमें गर्व है। प्रदेश में अन्य भाषाओं तमिल, तेलुगू आदि पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रदेश में प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिशन कर्मयोगी के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल करते हुए कमेटी बनाई जाएगी।

यह बातें राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम में कही। कार्यशाला का आयोजन राजभवन मध्यप्रदेश द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग और यूनाइटेड कॉन्शियसनेस के सहयोग से किया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता और अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने छिंदवाड़ा के पारंपरिक बुनकरों द्वारा तैयार उत्तरीय परिधान और पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया। कार्यशाला में उप कुलपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रोफेसर शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री भरत शरण सिंह, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े भी मंचासीन थे।

मौलिक अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए, भड़काऊ कविता मामले में इमरान प्रतापगढ़ी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को आज (28 मार्च) सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है।। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ गुजरात में दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कांग्रेस सांसद ने जो किया वो कोई अपराध नहीं है।

कथित तौर पर सौहार्द बिगाड़ने वाले सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर गुजरात पुलिस ने केस दर्ज किया था। न्यायमूर्ति ओका ने फैसला सुनाते हुए कहा कि साहित्य, कला, व्यंग्य, जीवन को अधिक सार्थक बनाते हैं; गरिमापूर्ण जीवन के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आवश्यक है।

कोर्ट ने क्या कहा- न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना न्यायालय का कर्तव्य है। पीठ ने कहा, ÷भले ही बड़ी संख्या में लोग किसी दूसरे के विचारों को नापसंद करते हों, लेकिन विचारों को व्यक्त करने के व्यक्ति के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए और उसकी रक्षा की जानी चाहिए। विता, नाटक, फिल्म, व्यंग्य और कला सहित साहित्य मनुष्य के जीवन को और अधिक सार्थक बनाते हैं।

परेशान न करे पुलिस, तलाक विवाद के बीच पति ने लगाई याचिका; मद्रास हाई कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

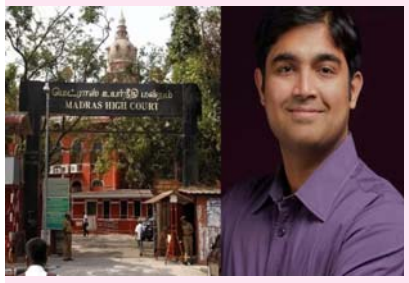

नई दिल्ली (एजेंसी)। मद्रास हाई कोर्ट ने चेन्नई पुलिस को ये आदेश दिया है कि वह सॉफ्टवेयर कंपनी रिप्लिंग के को-फाउंडर प्रसन्ना शंकरनारायणन को उनकी पत्नी के साथ चल रहे तलाक के मामले को लेकर अनावश्यक रूप से परेशान न करे। शंकरनारायणन की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जी.के. इलंथिरैयन ने भारतीय नागरिक संहिता की धारा 528 के तहत यह निर्देश जारी किया है।

शंकरनारायणन ने सोशल मीडिया पर पत्नी पर लगाए गंभीर आरोप- बता दें, शंकरनारायणन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक थ्रेड में अपनी पत्नी पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। रिप्लिंग के को-फाउंडर ने ये दावा किया था कि उनकी पत्नी ने झूठी शिकायतें दर्ज कराई है और उन्हें यौन अपराधी के रूप में प्रस्तुत किया है।

साथ ही उन्होंने अपनी पत्नी पर ये भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी ने ये झूठा आरोप लगाया है कि वह अमेरिका में किसी वेश्यावृत्ति से जुड़े मामले में शामिल है।

राणा सांगा के मुद्दे पर कांग्रेस-बीजेपी साथ-साथ, राज्यसभा में चौतरफा घिरे सपा सांसद; सदन में मचा हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सपा नेता रामजी लाल सुमन की राणा सांगा पर टिप्पणी को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सांसदों द्वारा कार्यवाही बाधित करने के कारण राज्यसभा की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

क्या था सपा सांसद का बयान- राज्यसभा में सपा सांसद द्वारा राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान को लेकर जमकर हंगामा हुआ था। सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने अपने भाषण में राणा सांगा को गद्दार करार देते हुए ये दावा किया था कि उन्होंने मुगल बादशाह बाबर को इब्राहिम लोदी को हराने के लिए भारत में आमंत्रित किया था।

सपा सांसद के इस बयान के बाद सियासी घमासान मच गया था। भाजपा नेताओं ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। बीजेपी के आलावा कांग्रेस के नेताओं ने भी रामजीलाल सुमन के इस बयान की कड़ी निंदा की थी।

कांग्रेस ने की निंदा- राजस्थान से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, राणा सांगा इस देश के बहादुर थे। हम उनका हीरो की तरह सम्मान करते हैं। राणा सांगा किसी भी जाति या धर्म के नहीं, बल्कि देश के हीरो थे। मैं राणा सांगा को प्रणाम करता हूं।

राजपूत संगठनों ने सदस्यता रद करने की मांग की- सदन में भारी हंगामे के बीच कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था। सदन के बाहर भी इस मुद्दे ने खूब तूल पकड़ा और राजस्थान और उत्तर प्रदेश में राजपूत संगठनों ने सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और सदस्यता रद करने की मांग की।

मणिपुर में सुरक्षाबलों का ज्वाइंट ऑपरेशन, भारी मात्रा में हथियार और गोला बारुद जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पिछले 24 घंटों में 20 वर्षीय लुवांगथेम मुकेश की तलाश के लिए व्यापक खोज अभियान जारी रखा गया है। लुवांगथेम मुकेश, जो कि केशमपट लेइमाजम लेइकाई के एल. ग्यानेन्द्र दास के बेटे हैं, 16 मार्च 2025 से लापता हैं।

पुलिस और सुरक्षा बलों ने बिश्नुपुर और चुराचंदपुर बॉर्डर क्षेत्रों, जोजंगतेक और ओल्ड काचर रोड इलाकों पर खोज अभियान तेज कर दिया है, जिसमें उन्नत तकनीकी डेटा विश्लेषण और खुफिया जानकारी एकत्र करने का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

अधिकारियों ने उच्च-स्तरीय सुरक्षा समन्वय बैठकें आयोजित की हैं, ताकि आगे की खोज रणनीतियों पर विचार किया जा सके। मणिपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास लुवांगथेम मुकेश के बारे में कोई जानकारी हो, तो वे सामने आएं। पुलिस लापता व्यक्ति की शीघ्र खोज के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

खोजी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कुछ महत्वपूर्ण सामग्रियां बरामद की हैं।

लांगोल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (वैकंट क्वार्टर) से दो एसएलआर, दो इनसास राइफल, दो एसएमजी कार्बाइन, आठ बीपी प्लेट, सात बीपी वेस्ट, 23 कैमोफ्लाज पैंट, 20 कैमोफ्लाज शर्ट, कैमोफ्लाज कैप और 22 टैक्टिकल वेस्ट बेल्ट बरामद किए गए।

हमारे लिए गर्व की बात..., भारत के वोटिंग सिस्टम के फैन हुए ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चुनाव प्रक्रिया को बदलने का आदेश दिया है। उन्होंने वोटिंग सिस्टम को लेकर भारत की तारीफ की और कहा कि वो भारत जैसा वोटिंग सिस्टम अपनाने चाहते हैं। अब इसके बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान सामने आया है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत में 1952 से ही एक मजबूत मतदाता सत्यापन प्रणाली है। दरअसल नए आदेश में कहा गया है संघीय चुनाव में मतदान अधिकार सिर्फ अमेरिका के नागरिकों को ही होना चाहिए।

अमेरिका की टैरिफ धमकियों पर विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना, वित्त मंत्री से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में वित्त विधेयक, 2025 पर चर्चा के दौरान गुरुवार को विपक्षी सदस्यों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर चिंता व्यक्त की और सरकार पर निशाना साधा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने सरकार से देश का रुख स्पष्ट करने की मांग की और कहा कि इस मुद्दे पर न तो संसद में कोई चर्चा हुई और न ही विपक्षी पार्टियों से कोई विचार-विमर्श किया गया।

उच्च सदन ने वित्त विधेयक लौटाया

राज्यसभा ने गुरुवार को 35 सरकारी संशोधनों के साथ वित्त विधेयक, 2025 लोकसभा को लौटा दिया और इसी के साथ एक फरवरी को शुरू हुई 2025-26 की बजट प्रक्रिया पूरी हो गई।

राज्यसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए चिदंबरम ने सचेत किया कि ट्रेड वार से निर्यात में गिरावट, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में कमी, उच्च मुद्रास्फीति व मुद्रा का अवमूल्यन होगा।

ट्रेड वार से बचने के लिए ये है उपाय- उन्होंने कहा कि भारत को कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी व जापान जैसे देशों के साथ खड़ा होना चाहिए और टैरिफ एवं ट्रेड वार से बचने के लिए हर सामूहिक प्रयास करना चाहिए।

ट्रंप टैरिफ पर चिदंबरम ने पूछे सवाल- दो अप्रैल से लागू होने वाले ट्रंप टैरिफ का जिक्र करते हुए पूर्व वित्त मंत्री ने कहा, सरकार का जवाब क्या है? भारत का जवाब क्या है? नीति पर कोई बयान नहीं दिया गया है, संसद में कोई चर्चा नहीं हुई और विपक्षी पार्टियों के साथ कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। सरकार ने अपने सभी पत्ते छिपाकर रखे हैं, अगर कोई हैं।

चिदंबरम ने कहा, टैरिफ वार से ट्रेड वार छिड़ेगा। इससे पूरी दुनिया को नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप के दबाव में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2025-26 में विभिन्न वस्तुओं पर सीमा शुल्क घटा दिया जिनमें मोटर वाहन, यात्री कारें, वस्तुएं, मालवाहक वाहन, मोटरसाइकिलें, साइकिलें और यहां तक कि खिलौने भी शामिल हैं।

राजतंत्र की वापसी की मांग पर बवाल, प्रदर्शनकारियों ने कई घर फूंके

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल की सड़कों पर इस समय भारी प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को राजशाही समर्थकों ने काठमांडू की सड़कों पर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने तोड़फोड़ करने और बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की।

नेपाल पुलिस ने राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। नेपाल में काठमांडू समेत तीन स्थानों पर कर्फ्यू के आदेश जारी किए गए हैं।

दरअसल, तिनकुने क्षेत्र में स्थिति बेकाबू होने के बाद पुलिस ने कई राउंड फायरिंग भी की। यहां पर हजारों राजशाहीवादियों ने नेपाल में राजशाही की बहाली की मांग करते हुए %राजा आऊ देश बचाऊ (देश को बचाने के लिए राजा आएं), भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद तथा हम राजशाही वापस चाहते हैं जैसे नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने घर में लगाई आग- जानकारी के अनुसार नेपाल के राष्ट्रीय झंडे और ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह की तस्वीरों के साथ प्रदर्शन कर रहे लोगों ने तिनकुने इलाके में घर में आग लगा दी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया। यहां पर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने उसको तोड़ने की कोशिश की है।

झड़प में एक घायल- प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़प के दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया। नेपाल की सड़कों पर राजशाही समर्थक और गणतंत्र के समर्थकों ने हल्ला बोला है। टकराव को रोकने के लिए काठमांडू में सैकड़ों दंगा पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया। राजशाही समर्थक और विरोधी समर्थक सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

2008 में लोकतांत्रिक देश किया गया था घोषित- जानकारी दें कि नेपाल के राजनीतिक दलों ने संसद की घोषणा के माध्यम से 2008 में 240 साल पुरानी राजशाही को समाप्त कर दिया और तत्कालीन हिंदू साम्राज्य को एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया।

नेपाल में राजशाही व्यवस्था करने की अपील- बता दें कि पूर्व राजा ज्ञानेंद्र द्वारा लोकतंत्र दिवस (19 फरवरी) को एक वीडियो संदेश जारी किया गया। इसके माध्यम से उन्होंने राजशाही की बहाली की मांग की। देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों का दौरा करने के बाद पोखरा से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे ज्ञानेंद्र के समर्थन में राजशाही समर्थक कार्यकर्ताओं ने 9 मार्च को एक रैली भी आयोजित की थी। वहीं, कुछ समर्थकों ने ज्ञानेंद्र के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें भी दिखाईं थी।

घर के पीछे सूख रहे कपड़े का वीडियो पोस्ट करना व्यक्ति को पड़ा भारी, लोगों ने सोशल मीडिया पर जमकर लगाई लताड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। चाहे भारत हो या कोई और देश, लोग अपने घरों में अपने तरीके से रहना पसंद करते हैं। लेकिन जब कोई किसी की निजी जिंदगी में बेवजह दखल देता है तो वो उसी के लिए भारी भी पड़ सकता है। ऐसा ही कुछ एक शख्स के साथ हुआ, जो अमेरिका में रहता है।

क्या है मामला- हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जो चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक घर के पीछे वाले

हिस्से में कुछ कपड़े सूख रहे हैं और बैकग्राउंड में गाना बज रहा है।

यह वीडियो भारतीय मूल के मोहम्मद अनस ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए उसने लिखा, यह भारत नहीं है, अमेरिका है? इस पोस्ट के साथ अनस ने एक चौंकने वाला इमोजी भी लगाया था। उसके इस कैप्शन और इमोजी के चलते सोशल मीडिया पर लोगों ने अनस को जमकर ट्रोल कर दिया।

सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो देखकर मोहम्मद अनस से सवाल किया कि वीडियो में ऐसा क्या है जो भारत और अमेरिका के बीच अंतर का जिक्र किया जा रहा है।

क्या अमेरिका में लोग कपड़े नहीं सुखाते- जो वीडियो शेयर किया गया है उसमें एक अमेरिकी घर के पीछे कपड़े सुखते हुए नजर आ रहे हैं और वीडियो के बैकग्राउंड में केंड्रिक लैमार का नॉट लाइक अस गाना बज रहा है। इस पर सोशल मीडिया यूजर्स ने नाराजगी जाहिर की और पूछा की इसमें हैरान करने वाली कौन सी बात है?

कई लोगों ने अनस को ट्रोल करते हुए सवाल किया कि क्या अमेरिका में लोग कपड़े नहीं सुखाते हैं या फिर इस तरह से कपड़े सुखाना कोई गलत बात है?

व्हाइट हाउस में ट्रंप की इफ्तार पार्टी पर मचा बवाल, गेस्ट लिस्ट देखकर भड़के अमेरिकी मुस्लिम

रमजान के पवित्र महीने के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पहली इफ्तार पार्टी की मेजबानी की। हालांकि, ट्रंप की यह इफ्तार पार्टी विवादों में घिर चुकी है। अमेरिकी मुस्लिम सांसद इस इफ्तार पार्टी से नाराज हैं।

स्लिम सांसदों को नहीं भेजा गया न्योता- दरअसल, इफ्तार पार्टी में अमेरिकी मुस्लिम सांसदों और समुदाय से जुड़े नेताओं को न्योता नहीं दिया गया, इसकी जगह मुस्लिम देशों के विदेशी राजदूतों को इफ्तार डिनर में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था। बता दें कि व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी आयोजित करने की दो दशक पुरानी परंपरा है।

मुस्लिम नेताओं ने व्हाइट हाउस के बाहर किया विरोध- व्हाइट हाउस के बाहर कई मुस्लिम सिविल राइट्स ग्रुप ने इस मामले पर विरोध जताते हुए प्रोटेस्ट किया। Not Trump's Iftar नाम से मुस्लिम नेताओं ने ट्रंप के इस इफ्तार पार्टी का विरोध किया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि यह डोनाल्ड ट्रंप का एक तरह का पाखंड है। वह एक तरफ देश में मुस्लिमों के प्रवेश पर बैन लगाते हैं तो दूसरी तरफ इफ्तार पार्टी का आयोजन करते हैं।

पलक झपकते ही जमींदोज हुई बहुमंजिला इमारत, बैंकॉक में दिखा तबाही का मंजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार और थाईलैंड में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप के पहले झटके की तीव्रता 7.2 रही जबकि दूसरी की 7.0 रही।

चंद सेकेंड में जमींदोज हुई बहुमंजिला इमारत- भूकंप के तेज झटके महसूस होने के बाद लोग सड़क पर जमा हो गए। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें देखा जा सकता है कि कुछ चंद सेकेंड में बहुमंजिला इमारत जमीनदोज हो गई। वीडियो म्यांमार के शहर मांडले की बताई जा रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि धाराशाही होने के बाद बिल्डिंग का मलबा धुएं का आकार लेकर आसमान में फैल गया।

भूकंप का केंद्र म्यांमार का Sagaing रहा। भूकंप के झटकों की वजह से म्यांमार के मांडलेय में इरावडी नदी पर बना लोकप्रिय एवा ब्रिज ढह गया।

16 करोड़ में खरीदा फ्लैट, लेकिन बाथरूम से गायब था बाथटब; फिर गुस्साई महिला ने उठाया ये कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में एक महिला अकाउंटेंट ने 16.6 करोड़ रुपए का वर्साचे डिजाइन वाला फ्लैट खरीदा था। फ्लैट खरीदते ही उसने %डेवलपर्स% पर मुकदमा दायर कर दिया है, महिला का कहना है कि बाथरूम में बाथटब नहीं है, ऐसे में उसके साथ धोखा हुआ है।

महिला का दावा है कि उसे वर्साचे टॉवर नामक इमारत में एक अपार्टमेंट के लिए अल्टीमेट लग्जरी का वादा किया गया था, जिसके लिए डेवलपर्स और फैशन हाउस के बीच इंटीरियर डिजाइन करने के लिए एक हाई-प्रोफाइल कोलाबोरेशन किया गया था। बता दें कि डेवलपर, जर्सी की एक कंपनी है और दुबई की पैरेंट कंपनी के पास है।।

अपने पति के लिए खरीदा फ्लैट

एक रिपोर्ट के अनुसार, मी सुक पार्क ने नाइन एल्म्स में 50 मंजिला आयकॉन लंदन वन टॉवर में दो बेडरूम वाले अपार्टमेंट और पार्किंग स्पेस के लिए 4.2 करोड़ रुपये (381,000 पाउंड) का डिपॉजिट दिया। उसने संपत्ति को अपने और अपने पति के लिए खरीदने का फैसला किया।

दो साल लेट मिला फ्लैट- महिला ने 2019 में अपना पिछला घर भी बेच दिया था, क्योंकि उनका नया फ्लैट उन्हें 2020 में मिलने वाला था। लेकिन उन्हें ये फ्लैट 2022 में मिला।

फ्लैट के अंदर जब गई तो लगा झटका- मी सुक पार्क ने जब ये फ्लैट देखा तो उन्हें इसे देखते ही तुरंत झटका लगा और उन्होंने सेंट्रल लोनन काउंटी कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई की, बेडरूम अपेक्षा से छोटा था और दो बाथरूम में से एक में बाथटब नहीं था।

म्यांमार और बैंकॉक में भूकंप से तबाही, कई इमारतें हुई धराशायी; इमरजेंसी घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में खतरनाक भूकंप के झटके महसूस हुए। लोगों में भूकंप के बाद दशहत महसूस की गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप के झटके काफी तेज थे। झटकों से लोग दहशत में आ गए और अपने घरों-दफ्तरों से बाहर निकल आए।

ये झटके इतने जबरदस्त थे कि थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी इन्हें महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.7 रही।

भूकंप के तेज झटके की वजह से बैंकॉक और म्यांमार के शहरों में बड़ी-बड़ी इमारतें नाव की तरह हिलने लगी। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में लोग चीखते-चिल्लाते हुए सड़कों पर भाग रहे हैं।

भूकंप की वजह से बैंकॉक में एक गगनचुंबी इमारत के गिरने की बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक जो बिल्डिंग निर्माणाधीन था, जो भूकंप के झटके को सह नहीं पाया। भूकंप के बाद बैंकॉक में 43 लोग लापता हो गए हैं, इसके बाद से वहां इमरजेंसी का एलान किया गया।

इसी तरह कई और वीडियो भूकंप के बाद के वायरल हो रहे हैं, जिसमें भूकंप के बाद के दहशत को देखा जा रहा है।

अब नेता करेंगे जजों का चयन, इजरायली संसद ने बदलाव को दी मंजूरी; बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली संसद ने गुरुवार को एक अहम बिल को अंतिम मंजूरी दे दी है, जिसके तहत राजनेताओं को न्यायाधीशों की चयन प्रक्रिया में अधिक अधिकार मिलेगा। यह बिल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों की एक प्रमुख वजह बन चुका है।

इस बिल के तहत न्यायाधीशों के चयन समिति के नौ सदस्य होंगे, जिनमें से पहले जो सदस्य इज़राइल बार एसोसिएशन द्वारा चुने जाते थे, उन्हें हटा दिया जाएगा और उनके स्थान पर सरकार और विपक्ष द्वारा चयनित प्रतिनिधि नियुक्त किए जाएंगे।

विपक्षी दलों ने लगाया आरोप- विपक्षी दलों ने इस बिल को इजरायल के लोकतंत्र के एक अहम स्तंभ पर हमला बताया है। विपक्ष ने इसका विरोध करते हुए अंतिम वोट से खुद को दूर रखा। न्याय मंत्री यारिव लेविन ने इस नए कानून का समर्थन करते हुए कहा कि यह कानून अगली संसद के कार्यकाल से प्रभावी होगा और यह चयन समिति के संतुलित और प्रतिनिधित्वपूर्ण गठन को सुनिश्चित करेगा। उनका कहना था कि इस बिल के जरिए योग्य उम्मीदवारों को उनके विचारों के कारण चयन से बाहर नहीं किया जाएगा।

इस बिल के पारित होने के बाद विरोध और भी तेज हो गए हैं। तेल अवीव में एक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले रॉनी मलमुक ने कहा, आज का दिन बहुत अहम है क्योंकि सरकार ने एक ऐसा कानून पारित किया है जो लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है और इसे अब एक राजनीतिक मुद्दा बना दिया है।

कैशकांड में जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ी राहत, FIR दर्ज करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें दिल्ली पुलिस से दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से जली हुई नोटों की गड्डियां मिलने के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने इस याचिका को अत्यधिक जल्दबाजी करार देते हुए खारिज करते हुए कहा कि इस मामले में एक इन-हाउस जांच चल रही है और जांच के परिणामों के आधार पर कई विकल्प खुले हैं।

जांच पूरी होने का इंतजार करें- जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुयान की बेंच ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के पास जांच के बाद एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने का अधिकार है।

बेंच ने स्पष्ट किया कि जब तक इन-हाउस जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस मामले में आगे बढ़ने की कोई आवश्यकता नहीं है। बेंच ने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो सीजेआई एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दे सकते हैं।

नकद की जलने की घटना के बाद जांच शुरू- बता दें, यह घटना 14 मार्च की रात लगभग 11:35 बजे दिल्ली के लुटियंस क्षेत्र में स्थित जज वर्मा के आवास पर लगी आग के बाद सामने आई। आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया था।

इस दौरान जली हुई नोटों की गड्डियां मिलने का दावा किया गया था, जिसके बाद काफी ज्यादा विवाद हुआ। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया है।

थाईलैंड और म्यांमार के बाद भारत में भी लगे भूकंप के झटके, मेघालय और इंफाल में कांपी धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार और थाईलैंड भूकंप के तेज झटकों से दहल उठा है। पहला झटका 11:50 पर 7.2 का रहा, दूसरा भूकंप 12 बजे आया, जिसकी तीव्रता 7.7 रही। थाईलैंड में आपातकाल लगा दिया गया है। वहीं अब मणिपुर केंद्र के अनुसार 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने के बाद कोलकाता और इंफाल में भी हल्के झटके महसूस किए गए।

भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। कोलकाता और उसके आस-पास के इलाकों से हल्के झटके महसूस किए गए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भूकंप के कारण शहर में संपत्ति या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

मणिपुर में भूकंप के झटके- मणिपुर में भूकंप के झटकों से इंफाल के थंगल बाजार के निवासियों में दहशत फैल गई, जहां कई पुरानी बहुमंजिला इमारतें स्थित हैं। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है।

मेघायल में भी भूकंप की तीव्रता 4 रही- शिलांग के अधिकारियों ने पुष्टि की कि बैंकॉक भूकंप के एक घंटे बाद मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स जिले में भी हल्की तीव्रता का भूकंप आया।

हैदराबाद में एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत, मां अस्पताल में भर्ती, आत्महत्या या हत्या...जांच कर रही पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद के पड़ोसी संगारेड्डी जिले में तीन बच्चे अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए और उनकी मां को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों बच्चे, जिनकी उम्र आठ से 12 साल थी, सोते हुए मृत पाए गए।

उनकी 35 साल की मां को उसके पति और पड़ोसियों ने पेट दर्द की शिकायत के बाद रात करीब 2 बजे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने इस मामले की जानकारी दी है।

मौत के कारणों की जांच जारी- पुलिस ने बताया कि परिवार ने गुरुवार रात दही चावल खाया था। बच्चों को जहर देकर मारे जाने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर पुलिस ने कहा कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम के बाद ही इसका पता चलेगा।

क्यों हुई मौत- एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आगे बताया, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। हम वैज्ञानिक और पोस्टमार्टम जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे बढ़ेंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें जहर दिया गया था या यह फूड पॉइजनिंग का मामला है। उन्होंने कहा कि सुराग टीम सबूत इकट्ठा कर रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

अभी इससे पहले नंदग्राम थाना क्षेत्र में राजनगर एक्सटेंशन की चार्म्स कैसल सोसायटी में बीए एलएलबी के छात्र ने बिल्डिंग की आठवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। बताया गया कि पिता के डांट लगाने पर छात्र ने यह कदम उठाया।

खराब हवा को लेकर रहें सतर्क, सांस की नली में बढ़ सकता है सूजन का जोखिम, गर्मी में जरूर बरतें ये सावधानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुष्क हवा को बिल्कुल भी हल्के में न लें, ग्लोबल वार्मिंग के कारण शुष्क हवा के संपर्क में आने से सांस की नली में निर्जलीकरण और सूजन का जोखिम बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। वायुमार्ग में सूजन से श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है और अस्थमा जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है।

अमेरिका के जांस हापकिंस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में बताया कि जैसे-जैसे पृथ्वी का वायुमंडल गर्म होता जा रहा है, सापेक्ष आर्द्रता समान बनी हुई है। पानी के लिए हवा की 'प्यास' का एक माप 'वाष्प दाब घाटा' तेजी से बढ़ सकता है। सापेक्ष आर्द्रता किसी दिए गए तापमान पर हवा में मौजूद नमी की अधिकतम मात्रा है।

तेजी से भाप बनाएगा पानी - रिसर्चर ने कहा कि वाष्प दाब घाटा जितना अधिक होगा, हवा की प्यास उतनी ही अधिक होगी और इस प्रकार पानी अधिक तेजी से भाप बनाएगा, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र निर्जलित हो जाएगा। जांस हापकिंस विश्वविद्यालय में मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर और जर्नल कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट में प्रकाशित अध्ययन के मुख्य लेखक डेविड एडवर्ड्स ने कहा, यह समझना है कि शुष्क हवा के संपर्क में आने पर वायुमार्ग कैसे निर्जलित होते हैं, हमें प्रभावी व्यवहार के परिवर्तनों और निवारक या चिकित्सीय हस्तक्षेपों द्वारा निर्जलीकरण के प्रभाव से बचने या उलटने में मदद कर सकता है।

लेखकों ने लिखा, पानी का वाष्पीकरण वायुमार्ग की बलगम परतों को पतला करता है और ज्वारीय (आराम से) सांस लेने के दौरान उपकला कोशिकाओं को संकुचित करता है। उन्होंने पाया कि शुष्क हवा के संपर्क में आने वाले सेल्स में बलगम पतला होता है और सेल्स में सूजन का संकेत देने वाले साइटोकिन्स या प्रोटीन का उच्च स्तर होता है।

कुणाल कामरा को मद्रास हाईकोर्ट से बड़ी राहत, एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी मामले में मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कॉमेडियन कुणाल कामरा को अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। कामरा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर अपने जोक को लेकर विवाद का सामना कर रहे हैं।

अदालत ने कामरा को इस शर्त पर राहत दी कि उन्हें तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के वनूर में न्यायिक मजिस्ट्रेट की संतुष्टि के लिए एक बांड भरना होगा। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन ने दूसरे प्रतिवादी (खार पुलिस) को भी नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 7 अप्रैल को तय की।

तमिलनाडु के निवासी हैं कामरा

कामरा ने बताया है कि वह 2021 में मुंबई से तमिलनाडु चले गए थे और तब से इसी राज्य के निवासी हैं और उन्हें मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का डर है। कामरा ने मुंबई में अपने हालिया शो के दौरान शिंदे पर तीखी टिप्पणियों के कारण परेशानी में पड़ गए और बड़ा विवाद खड़ा हो गया।

कामरा ने मुंबई के खार में हैबिटेट कॉमेडी क्लब में एक शो किया था, जहां उन्होंने शिंदे को निशाना बनाते हुए एक पैरोडी गाना गाया था। इस वीडियो के सामने आने के बाद शिवसेना समर्थकों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और रविवार रात क्लब और होटल में तोड़फोड़ की।

अभिव्यक्ति की आजादी की दलील- खार पुलिस ने शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत में उन्होंने उपमुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। सुनवाई के दौरान कुणाल के वकील ने अदालत ने कहा कि गाने में किसी का नाम नहीं लिया गया है।

कुणाल की तरफ से कहा गया कि %सुप्रीम कोर्ट ने खुद माना है कि सटायर और पैरोडी अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा हैं। कामरा ने दलील दी है कि जिन लोगों ने होटल में तोड़-फोड़ की, वो सभी बेल पर बाहर हैं।

भारत की महिलाओं-युवाओं के विकास के लिए यूनिसेफ और ग्रामीण विकास मंत्रालय ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) और यूनिसेफ युवाह भारत के युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हाथ मिलाया है। इस कोलेबोरेशन का मकसद युवाओं और महिलाओं के कौशल, आर्थिक और सामाजिक अवसरों से जोड़कर सशक्त बनाना है। इस बारे में जारी एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि इसके लिए एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट साइन किया गया है।

इस तीन साल की पार्टनरशिप के जरिए, यूनिसेफ युवाह और एमओआरडी पहले से राष्ट्रीय और राज्यीय स्तर पर चल रही पहलों पर काम करेंगे ताकि कौशल, आर्थिक अवसरों और सामाजिक प्रभाव के लिए स्केलेबल समाधानों का सह-निर्माण किया जा सके, जिसमें कमजोर आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस पार्टनरशिप के जरिए मुख्य रूप से ओडिशा, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश की एसएचजी महिलाओं और उनके परिवार की महिला सदस्यों (18-29 वर्ष) को नौकरियों, स्वरोजगार, उद्यमिता और कौशल से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए काम किया जाएगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी टीके अनिल कुमार ने कहा, ÷यह पार्टनरशिप बहुत ही सही समय पर आई है, क्योंकि यह बजट 2025-26 में घोषित रूरल प्रोस्पेरिटी और रेजिलिएंस प्रोग्राम के मुताबिक है। यह खासतौर से महत्वपूर्ण है, क्योंकि 10 करोड़ एसएचजी सदस्यों में से लगभग एक तिहाई युवा हैं, जो इस पहल में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

यूनिसेफ इंडिया की डिप्टी रिप्रेजेंटिव ऑपरेशन्स, शारदा थापलिया ने कहा, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कौशल विकास के रास्ते को बढ़ाने और इंटरप्रिन्योरशिप को बढ़ावा देने से, इस पार्टशिप में स्थायी आजीविका बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बदलने की क्षमता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण अमावस्या

संपादकीय

भारतवर्ष सदियों से आध्यात्मिकता में विश्वास रखने वाला विश्व का ऐसा पहला देश है जहां

भारतवर्ष सदियों से आध्यात्मिकता में विश्वास रखने वाला विश्व का ऐसा पहला देश है जहां हजारों वर्ष पूर्व से ही अखंड भारत में आध्यात्मिकता भारत की संस्कृति की नींव रही है, क्योंकि अगर हम इतिहास को खंगाले तो हमें पौराणिक कथाओं से भरपूर मिलेंगे जो आज भी भारतीय पुरातत्व विभाग की खुदाई या अन्वेशण में अनेक आध्यात्मिकता की वस्तुएं पाई जाती है, जो हजारों वर्ष पूर्व की अनुमानित होती है। भारत भर में विभिन्न धर्म, समुदाय और जातियों का समावेश है इसलिए यहां अनेकता में एकता के दर्शन होते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि यहां सभी धर्मों के त्योहारों को प्रमुखता से मनाया जाता है, चाहे दिवाली हो, ईद या फिर क्रिसमस या फिर भगवान झूलेलाल जयंती उत्सव जो सप्ताह भर झूलेलाल सप्ताह के नाम पर मनाया जाता है जिसमें सप्ताह भर अनेक कार्यक्रम किए जाते हैं। चुके 30 मार्च 2025 को झूलेलाल जयंती महोत्सव है इसलिए आज हम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल माध्यम से चर्चा करेंगे, पूरी दुनियाँ में मनाया जाएगा 1075 वाँ चेट्रीचंड्र (झूलेलाल जयंती) महोत्सव 30 मार्च 2025

साथियों बात अगर हम इसी आध्यात्मिकता औरविश्वसनीयता की करें तो 30 मार्च 2025 को वैश्विकस्तरपर जिस भी देश में सिंधी समाज के भाई बहन होंगे वहां झूलेलाल जयंती चेट्रीचंड्र महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, जो सदियों से मनाया जाने वाला सद्भाव, भाईचारे, एकता, अखंडता, अन्याय पर न्याय की विजय और धार्मिक आस्था का प्रतीक माना जाता है। झूलेलाल जयंती पर्व मनाने का कारक, सभी पर्व त्योहारों की तरह इस पर्व को मनाने के पीछे भी पौराणिक कथाएं हैं।

साथियों बात अगर हम भगवान झूलेलाल की करें तो इतिहास और मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार धर्म की रक्षा के लिए झूलेलाल साईं ने अवतार लिया था इस संबंध में दो कथाएं प्रचलित हैं (1)पहली, संवत् 1007 में सिंध प्रदेश के ठट्ठा नगर में मिरखशाह नामक एक सम्राट राज्य करता था। उसने जुल्म करके समुदाय के लोगों को विशेष धर्म स्वीकार करवाया। उसके जुल्मों से तंग आकर एक दिन सभी पुरुष, महिलाएं, बच्चे व बूढ़े सिंधु नदी के पास एकत्रित हुए और उन्होंने वहां भगवान का स्मरण किया। कड़ी तपस्या करने के बाद सभी भक्तजनों को मछली पर सवार एक अद्भुत आकृति दिखाई दी।पल भर के बाद ही वह आकृति भक्तजनों की आंखों से ओझल हो गई। तभी आकाशवाणी हुई कि धर्म की रक्षा के लिए मैं आज से ठीक सात दिन बाद श्रीरतनराय के घर में माता देवकी की कोख से जन्म लूंगा।

निश्चित समय पर रतनराय जी के घर एक सुंदर बालक का जन्म हुआ जिसका नाम उदयचंद रखा गया।मिरखशाह के कानों में जब उस बालक के जन्म की खबर पहुंची, तो वह अत्यंत विचलित हो गया। उसने इस बालक के मारने की सोची परंतु उसकी चाल सफल नहीं हो पाई। तेजस्वी मुस्कान वाले बालक को देखकर उसके मंत्री दंग रह गए। तभी अचानक वह बालक वीर योद्धा के रूप में नीले घोड़े पर सवार होकर सामने खड़ा हो गया। अगले ही पल वह बालक विशाल मछली पर सवार दिखाई दिया। मंत्री ने घबराकर उनसे माफी मांगी। बालक ने उस समय मंत्री को कहा कि वह अपने हाकिम को समझाए कि हिंदू-मुसलमान को एक ही समझे और अपनी प्रजा पर अत्याचार न करे, लेकिन मिरखशाह नहीं माना। तब भगवान झूलेलाल ने एक वीर सेना का संगठन किया और मिरखशाह को हरा दिया।मिरखशाह झूलेलाल की शरण में आने के कारण बच गया।

भवानी प्रसाद मिश्र

भवानी प्रसाद मिश्र हिन्दी के प्रसिद्ध कवि तथा गांधीवादी विचारक थे। भवानी प्रसाद मिश्र दूसरे तार-सप्तक के एक प्रमुख कवि हैं। मिश्र जी विचारों, संस्कारों और अपने कार्यों से पूर्णतः गांधीवादी हैं। गाँधीवाद की स्वच्छता, पावनता और नैतिकता का प्रभाव और उसकी झलक भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं में साफ़ देखी जा सकती है। उनका प्रथम संग्रह गीत-फ़रोश अपनी नई शैली, नई उद्भावनाओं और नये पाठ-प्रवाह के कारण अत्यंत लोकप्रिय हुआ।

जीवन परिचय- भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म टिगरिया गांव में, होशंगाबाद (मध्य प्रदेश) में हुआ था। भवानी प्रसाद मिश्र की प्रारंभिक शिक्षा क्रमशः सोहागपुर, होशंगाबाद, नरसिंहपुर और जबलपुर में हुई7 उन्होंने हिन्दी, अंग्रेज़ी और संस्कृत विषय लेकर बी. ए. पास किया। भवानी प्रसाद मिश्र ने महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर शिक्षा देने के विचार से एक स्कूल खोल लिया और उस स्कूल को चलाते हुए ही 1942 में गिरफ्तार होकर 1949 में छूटे। उसी वर्ष महिलाश्रम वर्धा में शिक्षक की तरह चले गए और चार पाँच साल वर्धा में बिताए।

साहित्यिक जीवन- भवानी प्रसाद मिश्र का कविताएँ लिखने की शुरूआत लगभग 1930 से हो गयी थी और कुछ कविताएँ पंडित ईश्वरी प्रसाद वर्मा के सम्पादन में निकलने वाले हिन्दू पंच में हाईस्कूल पास होने के पहले ही प्रकाशित हो चुकी थीं। सन 1932-33 में वे माखनलाल चतुर्वेदी के संपर्क में आए। श्री चतुर्वेदी आग्रहपूर्वक कर्मवीर में भवानी प्रसाद मिश्र की कविताएँ प्रकाशित करते रहे। हंस में काफ़ी कविताएँ छपीं और फिर अज्ञेय जी ने दूसरे सप्तक में इन्हे प्रकाशित किया। दूसरे सप्तक के प्रकाशन के बाद प्रकाशन क्रम ज्यादा नियमित होता गया। उन्होंने चित्रपट (सिनेमा) के लिए संवाद लिखे और मद्रास के एबीएम में संवाद निर्देशन भी किया। मद्रास से मुम्बई आकाशवाणी के निर्माता बन गए और आकाशवाणी केन्द्र, दिल्ली पर भी काम किया।

कृतियाँ

गीत-फ़रोश
चकित है दुख
गांधी पंचशती
अंधेरी कविताएँ
बुनी हुई रस्सी
व्यक्तिगत
खुशबू के शिलालेख
परिवर्तन जिए
त्रिकाल संध्या
अनाम तुम आते हो
इंदन मम्
शरीर, कविता, फसलें और फूल
मानसरोवर
दिन
संप्रति

'नीली रेखा तक' आदि कुल 22 पुस्तकें आपकी प्रकाशित हुई।

आपने संस्मरण, निबंध तथा बाल-साहित्य भी रचा।

शैली

भवानी प्रसाद मिश्र उन गिने चुने कवियों में थे, जो कविता को ही अपना धर्म मानते थे और आमजनों की बात उनकी भाषा में ही रखते थे। वे कवियों के कवि थे। मिश्र जी की कविताओं का प्रमुख गुण कथन की सादगी है। बहुत हल्के-फुलके ढंग से वे बहुत गहरी बात कह देते हैं जिससे उनकी निश्छल अनुभव संपन्नता का आभास मिलता है। इनकी काव्य-शैली हमेशा पाठक और श्रोता को एक बातचीत की तरह सम्मिलित करती चलती है। मिश्र जी ने अपने साहित्यिक जीवन को बहुत प्रचारित और प्रसारित नहीं किया। मिश्र जी मौन निश्छलता के साथ साहित्य-रचना में संलग्न हैं। इसीलिए उनके बहुत कम काव्य-संग्रह प्रकाशित हुए हैं। गीत-फ़रोश के प्रकाशन के वर्षों बाद चकित है दुख, और अंधेरी कविताएँ नामक दो काव्य-संग्रह इधर प्रकाशित हुए हैं।

गांधी गीतों के गायक

भवानीबाबू एक बार शुरू करें फिर उन्हें दूसरा सुनाने का आग्रह करने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी। एक के बाद दूसरी कविता निकलती जाती थी, पंचतंत्र की कथाओं की भांति। कई बार तो एक कविता कब पूरी हुई और दूसरी कब शुरू हुई इसका श्रोता को भान नहीं रहता। मेघाणी भाई (गुजराती के प्रख्यात कवि झवेरचंद मेघाणी) के अलावा इतनी अधिक स्वरचित रचनाओं को कंठस्थ रखने वाले किसी अन्य कवि से मिलना बहुत मुश्किल है। जब वे काव्य-पाठ करते तब मानो श्रोता उन पर उपकार कर रहे हों ऐसी कृतज्ञ दृष्टि से उन्हें देख रहे होते थे। परंतु ज्यों-ज्यों गीतों में वे गहरे उतरते त्यों-त्यों उनका पाठ स्वान्तः सुखाय हो जाता। बावजूद इसके श्रोताओं को भी वे सरोबार कर देते थे। कई बार तो उनका छंद श्रोताओं को साथ गाने की प्रेरणा दे जाता था।

चलो गीत गाओ चलो गीत गाओ।
कि गा गा के दुनिया को सर पर उठाओ
अभागों की टोली अगर गा उठेगी
तो दुनिया पे दहशत बड़ी छा उठेगी
सुरा-बेसुरा कुछ न सोचेंगे गाओ
कि जैसा भी सुर पास में है चढ़ाओ

मानववादी कवि

आज़ादी के बाद भवानी प्रसाद अधिकतर दिल्ली की धूल और धुएं के बीच शहर में रहे। परंतु देश के कल्याण की कामना ने उन्हें कभी दिल्ली की माया में फंसने नहीं दिया। यूं बड़े लोगों के साथ जान-पहचान की कमी न थी। महात्मा गांधी, विनोबा भावे, जवाहरलाल नेहरू, जैसों के साथ उनका परिचय था। बजाज कुटुम्ब के साथ घरोपा था। श्रीमन्नारायण तो उनके मुक्त प्रशंसक थे परंतु इनके पहचान का खुद लाभ कभी नहीं लिया। विचारों से भवानी बाबू सच्चे गांधीवादी थे, मगर उनका कवि हृदय किसी वाद के खांचे में समा जाए ऐसा न था। इसीलिए वे गांधीवादी कवि बनने के बदले मानववादी कवि बने रहे। भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं की समीक्षा करते हुए प्रोफेसर महावीर सरन जैन का कथन है कि, हिन्दी की नई कविता पर सबसे बड़ा आक्षेप यह है कि उसमें अतिरिक्त अनास्था, निराशा, विशाद, हताशा, कुंठा और मरणधर्मिता है। उसको पढ़ने के बाद जीने की ललक समाप्त हो जाती है, व्यक्ति हतोत्साहित हो जाता है, मन निराशावादी और मरणासन्न हो जाता है। यह कि नई कविता ने पीड़ा, वेदना, शोक और निराशा को ही जीवन का सत्य मान लिया है। नई कविता भारत की जमीन से प्रेरणा प्राप्त नहीं करती। इसके विपरीत यह पश्चिम की नकल से पैदा हुई है। भवानी प्रसाद मिश्र की कविताएँ इन सारे आरोपों को ध्वस्त कर देती हैं।

मिश्र जी गाँधीवादी है।गाँधी की देश-भक्ति मंजिल नहीं है। गाँधी जी की देश-भक्ति विश्व के जीव मात्र के प्रति प्रेम और उसकी सेवा करने के लिए उनकी जीवन यात्रा का एक पड़ाव है। उनके विचार में कहीं भी लेश मात्र भी निराशा का भाव नहीं है। उसमें आशा, विश्वास और आस्था की ज्योति आलोकित है। इसी आलोक के कारण गाँधी जी ने दक्षिण-अफ्रीका और भारत में जो जन-आन्दोलन चलाए उन्होंने सम्पूर्ण समाज में नई जागृति, नई चेतना और नया संकल्प भर दिया। उनके जीवन दर्शन से विशाद, निराशा और मरण-धर्मिता नहीं अपितु इसके सर्वथा विपरीत नई आशा, नई आस्था और नई उमंग पैदा होती है। उससे सत्य, अहिंसा एवं प्रेम की त्रिवेणी प्रवाहित होती है। (देखें ङ्क प्रोफेसर महावीर सरन जैन = गाँधी दर्शन की प्रासंगिकता)। भवानी प्रसाद मिश्र की कविताएँ इसी कारण समाज में जो विपन्न हैं, लाचार हैं, थके हुए हैं, धराशायी हैं उन सबको सहारा देने के लिए प्रेरित करती हैं, उनको उठाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

उनकी कविता घरेलू विषयों से लगाकर आध्यात्मिकता के शिखरों तक का भ्रमण करती है। उन्हें ऐहिक सुख की परवाह न थी। वे कहते, सुख अगर मेरे घर में आ जाए तो उसे बैठायेंगे कहां? स्वराज के बाद का भारत जिस तरह महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग से विचलित हुआ उससे भवानी बाबू का हृदय टीस उठता। 1959 में लिखी एक कविता में उन्होंने इस टीस पहुंचाने वाली दिशा की ओर इंगित करते हुए कहा था-

केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा, मोदी सरकार ने 2 फीसदी बढ़ाया महंगाई भत्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारियों का इंतजार अब खत्म हो गया है। काफी समय से ये सुर्खियों थी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता को लेकर फैसला ले सकती है। केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता अब 55 फीसदी हो चुका है। इससे पहले सभी कर्मचारियों को 53 फीसदी तक महंगाई भत्ता मिलता था।

सरकार ने इससे पहले जुलाई 2024 के दौरान महंगाई भत्ते में इजाफा किया था। उस समय महंगाई भत्ते को 50 फीसदी से बढ़ाकर 53 फीसदी तक किया गया था। महंगाई भत्ते में हुए इजाफे से 1 करोड़ से अधिक क्रेंद्रीय कर्मचारियों को फायदा मिलने वाला है। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से ये मांग रही है कि उन्हें मिलने वाले महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का इजाफा किया जाए। हालांकि पहले से ही ये अनुमान लगाया जा रहा था कि महंगाई भत्ते में 2 फीसदी तक इजाफा किया जाएगा।

केंद्रीय रेलवे मंत्री ने किया ऐलान- केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2 फीसदी का इजाफा किया है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि ये उनकी सैलरी में 1 जनवरी से प्रभावित होना शुरू हो जाएगा।

कितना बढ़ा है महंगाई भत्ता- सरकारी आंकड़ों की मानें तो, आमतौर पर महंगाई भत्ते में 3 से 4 फीसदी तक इजाफा किया जाता है। इससे पहले भी सरकार ने 3 फीसदी तक डीए में बढ़ोतरी की थी। हालांकि इस बार महंगाई भत्ते में 3 फीसदी तक ही इजाफा किया गया है।

एक ऐसा समय जब नहीं मिला कोई महंगाई भत्ता- इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक कोविड-19 महामारी के समय सरकार ने सभी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में रोक लगा दी थी। सरकार ने जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीनों तक केंद्रीय कर्मचारियों को कोई भी महंगाई भत्ता नहीं दिया था।

वहीं कर्मचारी बहुत समय से इस पीरियड के एरियर की मांग कर रहे हैं। सरकार हर साल में दो बार महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी करती है. ये बढ़ोतरी एक बार जनवरी से जून के लिए और दूसरी बार जुलाई से दिसंबर के लिए की जाती है।

क्या है टर्म डिपॉजिट? बेहतरीन रिटर्न के साथ जोखिम भी होगा कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। टर्म डिपॉजिट में आपके पैसे सुरक्षित रहते हैं। इसमें आपको बेहतर रिटर्न के साथ जोखिम भी कम मिलता है। टर्म डिपॉजिट में आपको निवेश के दो विकल्प मिलते हैं। इनमें फिक्स्ड डिपॉजिट और रिकरिंग डिपॉजिट शामिल हैं। इसमें आप कुछ महीने से लेकर 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं।

अगर आप एक सुरक्षित निवेश प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं, तो टर्म डिपॉजिट एक सही विकल्प हो सकता है। क्योंकि इसमें शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके साथ ही गारंटीड रिटर्न मिलता है।

कैसे और कितना करें निवेश - ज्यादातर बैंक और वित्तीय संस्थान टर्म डिपॉजिट ऑफर करते हैं। इसके जरिए आप फिक्स्ड डिपॉजिट (स्न्रष्ठ) और रिकरिंग डिपॉजिट (ऋष्ठ) में निवेश करने का ऑप्शन मिलता है। इसमें मिलने वाले ब्याज की बात करें, तो जो ब्याज आपको खाता खोलने पर मिलता है, वही ब्याज दर आपको पूरी अवधि के दौरान दिया जाता है।

टर्म डिपॉजिट को आप महज 1000 रुपये की राशि के साथ शुरू कर सकते हैं। ये आपके वित्तीय स्थिति और इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कितने रुपये का फंड तैयार करना चाहते हैं।

टर्म डिपॉजिट में निवेश करने से आपको कई फायदे मिलते हैं, जैसे एक निश्चित ब्याज दर मिलता है।

आईपीओ की कमाई में कितना देना होता है टैक्स? जानिए क्या कहता है नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटाइज होने के बाद से ही शेयर बाजार में निवेशक बढ़ने लगे हैं। वहीं कई लोग आज प्राइमरी मार्केट में भी निवेश करते हैं। ऐसे में ये सवाल रहता ही है कि क्या आईपीओ की कमाई में टैक्स कटता है? इसके साथ ही कितना टैक्स हमें देना होता है।

लेकिन इससे पहले जानते हैं कि आईपीओ और प्राइमरी मार्केट क्या है और ये कैसे काम करता है।

आईपीओ को इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग भी कहा जाता है।

हर नई कंपनी को शेयर बाजार की सेकेंडरी मार्केट में निवेश करने से पहले प्राइमरी मार्केट में प्रवेश करना पड़ता है।

जब कोई नई कंपनी शेयर बाजार में प्रवेश करती है, तो उसके शेयर्स को आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग कहा जाता है। आईपीओ को निवेशक प्राइमरी मार्केट से खरीद सकते हैं।

ये भी कह सकते हैं कि आईपीओ के जरिए कंपनी पूंजी इकट्ठा करती है। फिर यहीं आईपीओ शेयर्स के रूप में सेकेंडरी मार्केट में आते हैं।

एक तरह से जब आप आईपीओ खरीद रहे हैं, तो वे सीधे कंपनी से लेते हैं। लेकिन जब आप कोई शेयर्स खरीदते या बेचते है, तो वे दो निवेशकों के बीच होता है। इसमें कंपनी का योगदान नहीं रहता।

आईपीओ की कमाई में कितना टैक्स देना होगा?

इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तहत कुछ खास तरह की कमाई जैसे शेयर्स बेचना या म्यूचुअल फंड में टैक्स देना होता है। क्योंकि शेयर्स को भी एसेट माना जाता है। कंपनी के शेयर्स फाइनेंशियल एसेट्स की कैटेगरी में आते हैं।

नियम के मुताबिक एसेट को बेचने पर जो भी मुनाफा हो, उसमें भारत के हर एक नागरिक को कैपिटल गैन टैक्स देना होगा।

टैक्स सेविंग का आखिरी मौका, 31 मार्च से पहले ये जरूरी काम निपटाकर बचाएं पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 31 मार्च 2025 को फाइनेंशियल ईयर 2024-25 खत्म हो जाएगा। नया वित्त वर्ष 2025-26, 1 अप्रैल 2025 से शुरू होगा। ऐसे समय में हम टैक्स से जुड़े महत्वपूर्ण काम करना भूल जाते हैं। इसके साथ ही आपके पास टैक्स सेविंग के लिए भी बस कुछ दिनों का ही वक्त रह गया है। चलिए जानते हैं कि इस आखिरी मौके पर आप टैक्स कैसे बचा सकते हैं और टैक्स से जुड़े क्या जरूरी काम करने होते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस- हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए आप मेडिकल प्रोटेक्शन के साथ टैक्स सेविंग भी कर सकते हैं। इस तरह से आपको दो फायदे मिल जाते हैं। सेक्शन 80डी के तहत आप हेल्थ इंश्योरेंस लेकर 75 हजार रुपये तक टैक्स बचा सकते हैं। आप अपनी फैमिली और माता-पिता के लिए भी हेल्थ इंश्योरेंस ले सकते हैं। इसके जरिए आप लाखों रुपये का मेडिकल खर्चा बचा पाएंगे।

कैपिटल गैन टैक्स बचाएं- अगर आप कैपिटल गैन टैक्स बचाना चाहते हैं, तो 54श्वष्ट बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश कर आप 50 लाख रुपये तक टैक्स बचा सकते हैं। ह्वद्ध ह्द्ग-ऋश्वष्ट के 54श्वष्ट बॉन्ड में पैसे लगा सकते हैं। लेकिन आपको 31 मार्च 2025 से पहले ये काम करना होगा।

टैक्स सेविंग स्कीम में निवेश करें- वर्तमान में टैक्स बचाने के लिए कई तरह की स्कीम अवेलेबल है।

जमीन खरीदने के लिए भी मिल जाएगा लोन, इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। होम लोन की तरह जमीन खरीदने के लिए भी आप लोन का सहारा ले सकते हैं। लैंड पर्चेज लोन के जरिए आसानी से जमीन खरीदी जा सकती है। क्योंकि इसमें आप एक तरह से पैसे किस्तों में देते हैं। हालांकि बाकी लोन की तरह इसमें भी ब्याज देना पड़ता है।

कितना देना होगा ब्याज- लैंड पर्चेज लोन लेना होम लोन से थोड़ा महंगा पड़ सकता है। होम लोन और लैंड पर्चेज लोन दोनों में कई तरह की समानताएं होती है। हालांकि जमीन खरीदने के लिए लोन लेने पर आपको ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक लैंड पर्चेज लोन लेने पर आपको 8.6 फीसदी से लेकर 17 फीसदी तक सालाना ब्याज देना होता है।

वहीं इसमें टेन्योर, होम लोन के मुकाबले कम होता है। लैंड पर्चेज लोन में 5 साल से लेकर 20 साल तक का टेन्योर होता है।

लैंड पर्चेज लोन के लिए पात्रता- लैंड पर्चेज लोन की पात्रता होम लोन जैसी ही होती है। अगर आप जमीन खरीदने के लिए लोन ले रहे हैं, तो उम्र 21 वर्ष होनी चाहिए। वहीं अधिकतम उम्र 65 साल से ज्यादा ना हो। इसके साथ ही लैंड पर्चेज लोन लेने के लिए कुछ दस्तावेजों की भी जरूरत है।

आवेदनकर्ता के पास एक फिक्स सैलरी आनी चाहिए या वे सेल्फ-एम्प्लॉयड हो।

इसके साथ ही आवेदनकर्ता की सैलरी 10 हजार रुपये से कम ना हो। हालांकि इसे लेकर अलग-अलग नियम भी रखे गए हैं।

वहीं अगर आप सेल्फ-एम्प्लॉयड हो तो सालाना 2 लाख रुपये कमाते हो।

इसके अलावा कोई भी लोन लेने के लिए आपका क्रेडिट स्कोर भी ठीक रहना चाहिए।

इन दस्तावेजों की होगी जरूरत- आइडेंटिटी प्रूफ के लिए आधार कार्ड, पहचान पत्र या पैन कार्ड इत्यादि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एड्रेस प्रूफ के लिए राशन कार्ड, बिजली या पानी बिल, लीज एग्रीमेंट आदि का उपयोग हो सकता है।

इसके साथ ही इनकम प्रूफ के लिए पिछले 6 महीने की बैंक स्टेटमेंट भी देनी होगी।

सेल्फ-एम्प्लॉयड के लिए लेटेस्ट आईटी असेसमेंट देना होगा।

इसके अलावा आपका लैंड टैक्स रसीद, टाइटल डीड और बैंक द्वारा मांगे गए अन्य डॉक्यूमेंट भी सबमिट करने होंगे।

डेट और इक्विटी के जरिये भारतीय कंपनियों ने जुटाया रिकॉर्ड धन, आइपीओ बाजार भी रहा मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कंपनियों ने बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 में इक्विटी और डेट के जरिये रिकॉर्ड धन जुटाया। प्राइम डेटाबेस की एक रिपोर्ट से पता चला है कि सार्वजनिक इक्विटी फंड जुटाने में 92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और यह 3.71 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अगर राइट्स इश्यू को भी इसमें शामिल कर लिया जाए तो कुल राशि करीब 3.88 लाख करोड़ रुपये होती है। आइपीओ बाजार भी मजबूत रहा और इस क्षेत्र में 78 कंपनियों ने मेनबोर्ड आइपीओ के जरिये 1.62 लाख करोड़ रुपये जुटाए।

यह एक साल में आइपीओ के जरिये जुटाया गया सबसे अधिक फंड है। यह पिछले साल जुटाए गए 61,922 करोड़ रुपये से 2.5 गुना अधिक था। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने आइपीओ के जरिये सबसे अधिक 27,859 करोड़ रुपये जुटाए। इसके बाद स्विगी ने 11,327 करोड़ रुपये और एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने 10,000 करोड़ रुपये जुटाए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

शेयर ट्रेडिंग एप के नाम पर 1 करोड़ 7 लाख की ठगी, कांग्रेस पार्षद पुत्र सहित पांच पर मामला दर्ज

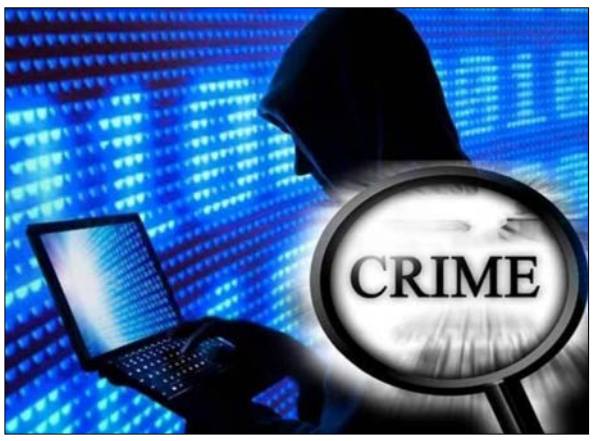

धार। धार पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग एप के नाम पर विभिन्न बैंकों की शाखाओं में फर्जी दस्तावेज और फर्जी हस्ताक्षर कर फर्जी तरीके से 1 करोड़ 7 लाख रुपये के लेन-देन करने में शामिल धार के पांच लोगों पर ठगी का मामला दर्ज किया है। ये लोग म्यूल खातों की राशि इधर-उधर करते थे। बदले में कमीशन मिलता था।

शुक्रवार को कांग्रेस नेता व महिला पार्षद के बेटे लईक पुत्र रईस शेख निवासी पिंजारवाड़ी धार सहित पांच लोगों की तलाश शुरू कर दी है। मुख्य आरोपियों लईक अपने नौकर और सहायक जावेद उर्फ राजा के माध्यम से अन्य आरोपियोंं के खातों से साइबर ठगी के माध्यम से आए रुपयों को निकलवाता था। साइबर ठगी से प्राप्त सेकंड, थर्ड, और फोर्थ लेयर के रुपयों को नकद निकालकर अन्य खातों में ट्रांसफर करता था।समझें ठगों का पूरा खेल

धार नगर पुलिस अधीक्षक रविंद्र वास्कले ने बताया कि मुख्य आरोपियों लईक पुत्र रईस शेख, सह आरोपियों फैजान पुत्र अनवर, आमिर पुत्र कलीम, जावेद पुत्र रईस व इसरार पुत्र मुख्तियार सभी निवासी धार पर ठगी के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि 24 सितंबर 2024 को केनरा बैंक की धार शाखा से एक शिकायती आवेदन प्राप्त हुआ था। इसके तहत खाता क्रमांक 20030709974 का स्टेटमेंट लिया गया। खाते में 70,99,225 रुपये का ट्रांजेक्शन होना पाया गया।

जांच के दौरान लईक द्वारा फैजान, आमिर और इसरार के खातों को म्यूल खातों की तरह उपयोग किया गया। सभी आरोपियों ने षड्यंत्रपूर्वक संगठित होकर फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप के माध्यम से कुल 1 एक करोड़ सात लाख 97 हजार 324 रुपये म्यूल बैंक खातों में चेक आदि के माध्यम से लेन-देन कर साइबर ठगी की।

आरोपियोंं ने चेक और एटीएम से 37,97,324 रुपये निकाले। आमिर के खाते से 6 लाख 52 हजार 500 रुपये, इसरार के खाते से 28 लाख 59 हजार 824 रुपये और फैजान के खाते से 2 लाख 75 हजार रुपये की नगद राशि निकाली गई।

आरोपियों ने 8 खातों में लगभग 70 लाख रुपये का आनलाइन ट्रांजेक्शन किया गया। इन खातों से अधिकतम राशि निकाल ली गई और न्यूनतम राशि को होल्ड करवा दिया गया।

लईक के बैंक खातों की जांच की जा रही है। संभावित रूप से लईक ने खुद के खाते का उपयोग नहीं किया। आरोपियों के सभी बैंक खातों पर राष्ट्रीय अपराध सायबर पोर्टल 1930 पर विभिन्न राज्यों से कुल 20 सायबर ठगी की शिकायतें दर्ज की गई हैं।

लईक मुख्य भूमिका निभा रहा था। उसने अपने खातों में पैसे नहीं लिए, बल्कि म्यूल खातों को संचालित किया। म्यूल खातों की जांच जारी है। लईक के अन्य खातों की जानकारी ली जा रही है।

क्या होते है म्यूल अकाउंट

म्यूल बैंक अकाउंट ऐसे अकाउंट होते हैं, जिनका इस्तेमाल जालसाज ऑनलाइन ठगी में मिले पैसों को ठिकाने लगाने के लिए करते हैं। अगर वह खुद के खाते खुलवाए तो केवाईसी के तहत फंस जाएंगे। ऐसे में वे लोगों को कमीशन का लालच देकर फंसाते हैं।

ऐसे में किसी तीसरे व्यक्ति से खाता खुलवाकर उसमें ठगी की राशि मंगवाते हैं। ठगी की रकम में से खाताधारक को राशि का कुछ हिस्सा दिया जाता है। पुलिस लगातार लोगों को आगाह कर रही है कि ठगों के इस तरह के प्रलोभन में न फंसे।

किताबों में मनमानी, ग्वालियर में दो स्कूलों के प्रिंसिपल पर दर्ज हुई एफआईआर

ग्वालियर। ग्वालियर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित किए गए पुस्तक मेला में दो स्कूल प्रबंधनों को मनमानी भारी पड़ी है। निजी प्रकाशकों की किताबें जानबूझकर उपलब्ध न कराकर मनमानी करने के मामले में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल महाराजपुरा (महाराजपुरा थाना) और अमर पब्लिक स्कूल थाटीपुर (थाटीपुर थाना) के प्राचार्यों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें बताया कि स्कूलों द्वारा उनके यहां चलने वाली निजी प्रकाशकों की पुस्तकों की कोई सूची उपलब्ध नहीं कराई गई। न ही पुस्तकें उपलब्ध कराई गई। इस पर जब नोटिस जारी किया गया तो संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।जबलपुर की तर्ज पर लगाया गया पुस्तक मेला

दो दिन पहले ही कलेक्टर ने स्कूल संचालकों को फटकार लगाई थी व स्कूलों को नोटिस भी जारी किए गए। ग्वालियर में पुस्तक मेला जबलपुर की तर्ज पर लगाया गया है। जबलपुर में पिछले साल से पुस्तक मेले का आयोजन हो रहा है, इस बार यह 25 मार्च से लगाया गया है।इस बार जबलपुर पुस्तक मेले में अभिभावकों को किताबें व स्टेशनरी आदि पिछले साल की तुलना में आधे में मिल रही हैं। यदि जबलपुर के पैटर्न को ग्वालियर में भी अपनाया जाए तो अगले साल के पुस्तक मेले में अभिभावकों को जबलपुर की तरह ही लाभ मिल सकता है।

वहीं बुधवार को कलेक्टर रुचिका चौहान ने पुस्तक मेले का निरीक्षण किया और वेंडरों से कहा कि वे समय पर दुकान खोलें, यदि वे समय पर दुकानें नहीं खोलते हैं तो माना जाएगा कि वे अधिक कीमत में देना चाहते हैं। ऐसे विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई होगी।

क्या है जबलपुर का पैटर्न

जबलपुर के शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने नईदुनिया को बताया कि पिछले साल पुस्तक मेला लगाया था, तब अभिभावकों को लाभ मिला था। मेले के दौरान समझ में आया था कि स्कूल संचालक निजी पब्लिशर की किताबें चलाते थे जो महंगी पड़ती थीं।मेले के बाद ऐसे स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके बाद सभी स्कूलों ने कक्षा एक से 12वीं तक एनसीईआरटी की किताबें ही चलाते हैं। चूंकि एनसीईआरटी की किताबें पहले से ही सस्ती होती हैं। इनके साथ एक दो किताबें ही निजी पब्लिशर की चलाते हैं। इसलिए किताबों का बजट कम हो गया।

ग्वालियर में भी अगले मेले से मिल सकती है राहत

जिला प्रशासन ने जिस तरह से आठ बड़े स्कूलों को नोटिस दिए हैं और जवाब मंगाए हैं। उन जवाबों में स्कूल संचालकों ने कहा कि वे कक्षा एक से 12वीं तक एनसीआरटीई की किताबें ही चलाते हैं और आगे से यही किताबें चलाएंगे।

हालांकि स्कूल संचालकों के जवाब का शिक्षा विभाग अभी परीक्षण कर रहा है। शिक्षा अधिकारी के मुताबिक परीक्षण के बाद जिनके जवाब संतोषजनक नहीं होंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। एक बार कार्रवाई होगी तो आगे से सभी स्कूल नियमों का पालन करेंगे।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने किया निरीक्षण, दी चेतावनी

कलेक्टर ने कुछ दुकानदारों द्वारा देरी से दुकानें खोले जाने की शिकायत मिलने पर पुस्तक मेले का निरीक्षण किया। देरी से खुली दुकानों पर पहुंचकर दुकान संचालकों को चेतावनी दी कि आगे से ऐसी स्थिति न बने, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शहर में जहां पर भी दुकान संचालित हैं, वहां पर छापामार कार्रवाई कराई जाएगी। साथ ही दुकान पर डिस्काउंट की सूची लगाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा कलेक्टर ने बुक बैंक का भी निरीक्षण किया।

परीक्षण के बाद कार्रवाई होगी

जिन स्कूलों को किताबें उपलब्ध कराने पर नोटिस दिए थे उनके जवाब आ गए हैं। हालांकि सभी ने कक्षा एक से 12वीं तक एनसीईआरटी की किताबें चलाने की बात कही है। परीक्षण के बाद कार्रवाई होगी। उम्मीद है कि इस बार डिस्काउंट मिल रहा है, अगली बार अभिभावकों को अधिक फायदा होगा।

- अजय कटियार, जिला शिक्षा अधिकारी, ग्वालियर

मुरैना में चंबल से निकाली अवैध रेत से भरा ट्रक पकड़ा, तो ड्राइवर बोला- मंत्री कंसाना के बेटे के प्लांट पर ले जा रहे हैं...

मुरैना। मुरैना में वन विभाग की टीम ने आधी रात को चंबल नदी से अवैध खनन की रेत लेकर जा रहे ट्रक को पकड़ा। ड्राइवर से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह ट्रक मंत्री जी एदल सिंह कंसाना के बेटे बंकू भैया के मुंगावली प्लांट पर जा रहा है। वो रोड बनाने का काम करते हैं।

ड्राइवर ने यह भी बताया कि वो सात-आठ दिन पहले से ही यह काम कर रहा है। ट्रक भी मंत्री जी के बेटे ने उसे चलाने को कहा था। रात के समय में वो चंबल नदी के रेत प्लांट तक ले जाता था ताकि कोई पकड़े नहीं। इस मामले में अभी तक मंत्री कंसाना और उनके बेटे की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एमपी बोर्ड 5वीं और 8वीं के रिजल्ट हुए जारी, RSKMP की वेबसाइट पर देख सकते हैं परीक्षार्थी

भोपाल । मध्य प्रदेश में कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं के परिणाम आज दोपहर एक बजे घोषित कर दिए गए हैं। 5वीं की परीक्षा में 92 प्रतिशत से ज्यादा और 8वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। दोनों परीक्षाओं में छात्राएं छात्रों से आगे रहीं। विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षकगण परीक्षा के नतीजे राज्य शिक्षा केंद्र के वेब पोर्टल पर जाकर देख सकते हैं।

इसी पोर्टल के जरिए से शिक्षक और विद्यालय अपनी पूरी शाला के विद्यार्थीवार परिणामों को भी देख सकते हैं। परिणाम की जानकारी प्राप्त करने के लिए वेब पोर्टल की लिंक के साथ-साथ क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे विद्यार्थी आसानी से अपने नतीजे देख सकते हैं।इस तरह से देंखे रिजल्ट राज्य शिक्षा केंद्र की वेबसाइट पर जाएंइसके बाद उसमें अपना रोल नंबर और पूछी गई जानकारी देंइन्हें सबमिट करने के बाद रिजल्ट शो होने लगेगा पांच मार्च तक चली थी परीक्षाएंबता दें कि कक्षा 5वीं की परीक्षा में 11.17 लाख से अधिक और कक्षा 8वीं की परीक्षा में 11.68 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। कुल 22.85 लाख विद्यार्थी इन परीक्षा परिणामों का इंतजार था।

नवाचार के तहत इंदौर में उपभोक्ताओं के लिये राशन भी पोषण भी

इंदौर। इंदौर जिले में उपभोक्ताओं के हित में और उचित मूल्य दुकानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा नवाचार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों की सूरत और सीरत बदलने लगी है। अब शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उपभोक्ताओं को राशन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और अन्य पोषण सामग्रियाँ भी उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की गई हैं। इन दुकानों से जैविक उत्पाद भी उपलब्ध कराये जाने के लिए आज उचित मूल्य दुकान आदर्श महिला प्राथमिक उपभोक्ता भंडार बाणगंगा इंदौर पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित कर जनपोषण केन्द्र का औपचारिक विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से भारत सरकार खाद्य विभाग के संयुक्त सचिव श्री रविशंकर, ज्वाईट डायरेक्टर एनएफएसए भारत सरकार श्री जय पाटील, प्रदेश के आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा वर्चुअली सम्मिलित हुए। कंसल्टेंट श्री अभिषेक कुमार,श्री चंद्रपाल यादव , मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन, जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारु, पायलट प्रोजेक्ट के 30 दुकानों के डीलर, स्थानीय पार्षद श्रीमती संध्या जायसवाल, हितग्राही उपभोक्ता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। शुभारंभ में संयुक्त सचिव भारत सरकार श्री रविशंकर द्वारा जनपोषण केन्द्र के पायलट प्रोजेक्ट के बारे में डीलर को आवश्यक मार्गदर्शन निर्देश दिए गये। उपभोक्ताओं को पोषण संबंधी वस्तुएं दुकान के माध्यम से सहज गुणवत्तायुक्त सामग्री उपलब्ध हो सके तथा उचित मूल्य दुकान को आर्थिक रूप से सुदृढ एवं बहुउददेशीय बनाने के महत्व को विस्तार से बताया। आयुक्त खाद्य द्वारा भारत सरकार के पायलट प्रोजेक्ट को बेहतर तरीके से क्रियान्वयन करने तथा उपभोक्ताओं को पोषण संबंधित जरूरते इन केन्द्रों के माध्यम से पूरी हो सके इसके लिए डीलर खाद्य विभाग की टीम को इसके संचालन निरंतर करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बताया गया कि सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की यह एक अभिनव पहल है। इसका मकसद, लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मुहैया कराना है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का जल संरक्षण अभियान अब मध्यप्रदेश में बनेगा जन आंदोलन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन सहित 12 से अधिक विभागों की अभियान में होगी सहभागिता

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के साथ मध्यप्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का जल गंगा संवर्धन महा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बना है। राज्य सरकार भी खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है।

हमारी धरा के कुल जल का केवल एक छोटा हिस्सा ही पीने योग्य स्वच्छ जल के रूप में उपलब्ध है। पृथ्वी के कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत महासागरों में खारा जल है, जो पीने योग्य नहीं है। शेष 3 प्रतिशत मीठा जल है, लेकिन इसमें से भी अधिकांश हिमखंडों और बर्फ की चोटियों में जमा है। सिर्फ 0.5 प्रतिशत से भी कम पानी झीलों, नदियों और भूजल के रूप में उपलब्ध है, जिसे हम उपयोग कर सकते हैं। पृथ्वी पर स्वच्छ और पीने योग्य पानी की मात्रा बहुत ही सीमित है और इसे संरक्षित करना बेहद ज़रूरी है। इसीलिए मध्यप्रदेश सरकार ने जल बचाने के लिए कदम बढ़ाये हैं।

जल बचाने लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा अभियान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रदेशव्यापी जल संवर्धन अभियान में जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यावरण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी एवं कृषि सहित 12 से अधिक अन्य विभाग एवं प्राधिकरण साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य करेंगे। अभियान की थीम जन सहभागिता से जल स्त्रोतों का संवर्धन एवं संरक्षण रखी गई है।

नागरिकों के सहयोग से जल संरक्षण अभियान बनेगा जन-आंदोलन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संचय की विभिन्न गतिविधियां संचालित करने जैसे - पौध-रोपण, जल स्रोतों का पुनर्जीवन, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम चलाने, स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ भवन का निर्माण किया जाये सुनिश्चित -मंत्री श्री सिंह

इंदौर। लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज गुरुवार को भोपाल में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर इंदौर में निर्माणाधीन जिला न्यायालय भवन की प्रगति की समीक्षा की और समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए।इस दौरान प्रमुख अभियंता भवन श्री एस.आर. बघेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इंदौर जिला न्यायालय भवन हमारे लिए उच्च प्राथमिकता का विषय है। उन्होंने निर्देश दिए कि तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ भवन का निर्माण सुनिश्चित करने के लिए रोज़ तीन शिफ्टों में कार्य किया जाएगा, सीसीटीवी कैमरों से सतत निगरानी की जाएगी। प्रमुख अभियंता (भवन) मासिक आधार पर एवं इंदौर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता साप्ताहिक आधार पर प्रगति की समीक्षा करेंगे।

मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए की इस परियोजना के लिए नियुक्त एसडीओ और सब-इंजीनियर पूर्णकालिक रूप से केवल इसी परियोजना पर कार्य करेंगे। किसी भी प्रकार की विलंब अथवा निर्माण कार्य में अवरोध की स्थिति ना बने, इसके लिए पहले से आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जाएंगी।

मंत्री श्री सिंह ने कहा की निर्माण स्थल पर स्थापित प्रयोगशाला में सभी आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का समुचित परीक्षण किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़ा यह महत्वपूर्ण भवन समय पर एवं सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ तैयार

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विवाह में शामिल सविता भाबोर ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

इंदौर। झाबुआ जिले के गोपालपुरा ग्राम में मध्य प्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्राम नवगांव तहसील झाबुआ की सविता भाबोर ने कहा कि मुख्यमंत्री की कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत मैने पंजीयन कराया व इस योजना का लाभ प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि मैं एक कृषक परिवार से हूं मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण विवाह में समस्या उत्पन्न हो रही थी । परंतु राज्य शासन द्वारा प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं के विवाह के लिये मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रारंभ की गयी। इस योजना से हमें आर्थिक सहायता दी जाएगी।

उन्होंने इस योजना का संचालन करने के लिए संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव को हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद दिया है और कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए सहयोग प्रदान कर रही हैं।

फायर सुरक्षा के संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा दिये गये निर्देशो के पालन में सराफा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा इंदौर जिले में जी प्लस थ्री से ऊपर की भवनों, हॉस्पिटल, बहुमंजिला रहवासी भवन, मॉल एवं कमर्शियल भवन, सिनेमा भवन, हॉस्टल, होटल, स्कूल आदि में अग्निशमन सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिये गये हैं। निर्देश के पालन में जिले में अग्निशमन की चेकिंग के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है तथा सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में आज कलेक्टर आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा में निर्देश पर नगर निगम, एसडीएम मल्हारगंज, पुलिस विभाग एवं श्रम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से फ़ायर सुरक्षा के संबंध में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की गई।

बताया गया कि राजमोहल्ला झोन क्रमांक-2 के अन्तर्गत बड़ा सराफ़ा स्थित मोरसली गली में श्री साईं कृपा प्रीमियम मेटल्स में श्रम विभाग द्वारा दो प्रतिष्ठानों और धान गली एनआर मार्केट के बेसमेंट में 05 दुकानों में फायर सुरक्षा के समुचित इंतजाम नहीं पाए जाने से दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई। मौक़े पर अवैध गैस सिलेंडर का भंडारण, घरेलू सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते पाये जाने पर कुल 33 सिलेंडर ज़ब्त भी

पाणिग्रहण संस्कार 16 संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आलीराजपुर में 1369 नव दम्पतियों को 7 करोड़ 52 लाख की राशि कन्यादान के रूप में दी

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पाणिग्रहण संस्कार, 16 संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण है। आज आलीराजपुर में 1369 नव दम्पतियों को मुख्मयंत्री कन्या विवाह योजना में 7 करोड़ 52 लाख रूपये की राशि कन्यादान के रूप में दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी वर (दूल्हों) से कहा कि हम बेटियों के रूप में अपने घर की रौनक आपको सौंप रहे हैं, इनका ख्याल रखना अब आपका दायित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को आलीराजपुर में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आलीराजपुर के कलेक्टर को निर्देशित किया कि 220 केवी ग्रिड, ककराना

घाट एवं कन्या खेल परिसर का प्रपोजल भेजे, जिससे अविलंब स्वीकृत किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प वर्षा कर सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल नव-दंपत्तियों के परिजन का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आलीराजपुर की प्राकृतिक छटा देखते ही बनती है। उन्होंने कहा कि नर्मदा मैया के किनारे बांध बनाने से आलीराजपुर क्षेत्र में सिंचित भूमि का रकबा बढ़ा है और आर्थिक समृद्धि आई है।

आर्थिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयास- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिसम्बर 2024 में आलीराजपुर जिले को मिली लगभग 2000 करोड़ रुपए की सोंडवा उद्वहन परियोजना से 169 गाँवों को सिंचाई के लिए जल प्राप्त होगा। प्यासे खेत को जब पानी मिलेगा तो सोने के समान फसल प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। सरकार सभी कृषकों का गेहूं खरीदेगी। उन्होंने कहा कि गेहूं के लिए 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस के रूप में दिया जा रहा है। साथ ही दूध की खरीदी पर भी 5 रुपए प्रति लीटर बोनस दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य प्रदेश का दुग्ध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करना है, जिससे कृषकों को आय का नया साधन मिले।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सीएमएचओ सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का तुरंत समाधान करें- संभागायुक्त श्री गुप्ता

उज्जैन। संभागायुक्त संजय गुप्ता ने मंदसौर एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी की बैठक ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक के दौरान संभागायुक्त ने सीएमएचओ को निर्देश देते हुए कहा कि, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का तुरंत समाधान करें। आगामी सात दिवस में शिकायतों का निराकरण करें। हर शाखा की अलग शिकायतों को चिन्हित करें तथा उस पर काम करें। शिकायतकर्ता से बात करें तथा संतुष्टि पूर्वक समाधान करें। निराकरण करके एक सप्ताह में रिपोर्ट भेजें। इसके साथ ही उन्होंने अन्य योजनाओं एवं टीकाकरण की स्थिति के बारे में जानकारी ली। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, डीएफओ श्री संजय रायखेरे, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, जिला अधिकारी मौजूद थे।

उपार्जन कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत वेरिफिकेशन करें। प्रतिदिन हो रहे खरीदी की जानकारी ली। खरीदी के लिए स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित करें। स्व सहायता समूह की महिलाओं को शहद की खेती के लिए भी प्रेरित करें।

खरीदी के दौरान चने की गुणवत्ता को देखें। जहां पर ज्यादा आवश्यकता हो वहां पर अतिरिक्त सर्वेयर लगाए। कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान रखें।

उद्यानिकी विभाग पान की खेती की छोटी-छोटी इकाइयों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाए तथा जिले में पान का अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाए। मत्स्य विभाग को निर्देश दिए की केज कल्चर शुरू करें। इसके लिए सक्षम मछुआरों को प्रेरित करें। बिना सब्सिडी वाले प्रकरण बढ़ाएं। जिले के अधिकांश तालाबों में मछली पालन हो इसको सुनिश्चित करें।

27 वाँ रामचन्द्र रघुवंशी काकाजी स्मृति राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड 2025

आज होगा राष्ट्रीय क्रांतिवीर अलंकरण समारोह अभिनन्दित होंगे मालवा के दो रत्न

उज्जैन। 27वां राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड 2025 का आयोजन आज 4 अप्रेल 2025, शुक्रवार को सायंकाल 6.30 बजे से उज्जयिनी के क्षिप्रा तट (दत्त अखाड़ा घाट) पर आयोजित किया जायेगा। आज के इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण छत्तीसगढ़ बस्तर के समाजसेवी होंगे। राष्ट्रीय चेतना के भाव को जगाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आपने बस्तर के आदिवासी कन्याओं को शिक्षित करने एवं सुकमा - बीजापुर हमले के बाद नक्सलवादियों से कोबरा कमांडो राकेश्वर सिंह मन्हास की रिहाई सुनिश्चित करने जैसे अनेक सामाजिक कार्यों में अपने जीवन को समर्पित किया है। इनको 27 वें राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड से अलंकृत किया जायेगा।

शुक्रवार को सायंकाल 6.30 बजे से उज्जयिनी के क्षिप्रा तट (दत्त अखाड़ा घाट) पर आयोजित किया जायेगा। आज के इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण छत्तीसगढ बस्तर के शिक्षाविद्, समाजसेवी पद्मश्री श्री धर्मपाल जी सैनी को 27 वें राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड से अलंकृत किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजक द्वय डॉ. प्रकाश रघुवंशी एवं ओमप्रकाश खत्री ने इस भव्य आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मालवा के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सेवी, लेखक एवं पत्रकार रामचन्द्र रघुवंशी काकाजी के पुण्य स्मरण दिवस 4 अप्रेल को इस आयोजन की शुरुआत 1999 में की गई। जिसमें आज़ाद भारत में राष्ट्रीय चेतना के भाव को जाग्रत करने में किसी भी क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाला व्यक्तित्व इस अलंकरण का हकदार मानकर विगत 26 वर्षों से हमने मेग्सेसे अवार्ड से पुरस्कृत पानी बाबा राजेन्द्रसिंह, समाजसेवी अभिनेता सुनील दत्त, डॉ. किरण बेदी, नोबल पुरस्कार अभिनन्दित कैलाश सत्यार्थी, समाजसेवी मेधा पाटकर, पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद, डॉ. बिन्देश्वरी पाठक, डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी सहित देश की ख्यातीनाम हस्तियों को क्रांतिवीर अलंकरण से सम्मानीत करते आये हैं। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए आयोजन समिति के प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र पाराशर, प्रमुख समाजसेवी सुधीर भाई गोयल ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुती के तौर पर राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुती अमित शर्मा देंगे।

सिद्धी विनायक महिला मंडळ ने निकाला फूलपाती चल समारोह

उज्जैन। वीडी क्लॉथ मार्केट में सिद्धी विनायक महिला मंडळ द्वारा फूल पाती चल समारोह का आयोजन किया गया। मंडळ की अध्यक्ष द्वारका खंडेलवाल ने बताया कि चल समारोह में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूजा चित्तोडा और ऋचू जैन दुल्हा और दुल्हन बने।

बच्चों में जियांशी टेकवानी और समायरा टेकवानी दूल्हा-दुल्हन बने। इशर गौराजी को सजाकर 16 श्रृंगार और दोहा प्रतियोगिता में महिलाओं ने हिस्सा लिया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का शपथ अनुष्ठान पर्व 'मैं से हम की यात्रा' 30 मार्च को

उज्जैन। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का शपथ अनुष्ठान पर्व 'मैं से हम की यात्रा' रविवार, 30 मार्च गुड़ी पड़वा पर उज्जैन में होगा। जिसमें मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र विमला कांसल, राष्ट्रीय महासचिव विनय अनिता जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अश्विन रूचि कासलीवाल को शिरोमणि संरक्षक एवं शपथ अधिकारी पुष्पा कासलीवाल द्वारा पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई जाएगी। कार्यक्रम संयोजक प्रदीप झांझरी एवं जम्बू जैन धवल ने बताया कि 30 मार्च, रविवार को राजाराम रिसोर्ट, चिन्तामण रोड पर प्रातः 9:30 बजे ध्वजारोहण से समारोह प्रारंभ होगा। तत्पश्चात शपथ अनुष्ठान पर्व प्रातः 10:10 बजे से प्रारंभ होगा। केबिनेट सभा दोपहर 1:30 बजे होगी। मंच गौरव शिरोमणि अतिथि डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री, प्रमुख अतिथि अनिल फिरोजिया सांसद, अनिल जैन कालूहेड़ा विधायक, मुख्य अतिथि स्नेहलता श्रवण सोगानी, विशिष्ठ अतिथि मनीष सपना गोधा, गौतम शाह पूर्व महापौर अहमदाबाद रहेंगे। ध्वजारोहण आर. के. मैना जैन, गिरीश सोनम जैन गिन्नी ग्रुप, चित्र अनावरणकर्ता राजेश कल्पना लॉरेल, चित्र अनावरणकर्ता डॉ. सी. के. ललिता कासलीवाल, दीप प्रज्जवलकर्ता अनिल माधवी शाह, मुकेश रश्मि बाकलीवाल, राजेन्द्र संगीता जैन, समन्वयक राजकुमार पवन पाटोदी रहेंगे। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कल्पना विनायका समारोह की अध्यक्षता करेंगे। समारोह के आयोजक दिगंबर जैन सोशल ग्रुप उज्जयिनी 'मेन' के अध्यक्ष प्रदीप कीर्ति पाण्ड्या, सचिव अनिल अलका जैन, कोषाध्यक्ष आशीष नीतू जैन, संयोजक जम्बू नीता जैन धवल, प्रदीप प्रीति झांझरी, नवीन संगीता जैन, नितिन मोनिका डोसी रहेंगे। राष्ट्रीय महासचिव विपुल नीलम बांझल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल नीलिमा बिलाला ने अनुष्ठान विधान में पधारकर सफल बनाने का अनुरोध किया है।

झूलेलाल जयंती पर निकलेगी ऐतिहासिक शोभा यात्रा वाहन रैली

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव केसरिया ध्वज दिखाएंगे, फिल्म स्टार गोविंदा वाहन रैली में साथ चलेंगे

उज्जैन। झूलेलाल जयंती पर ऐतिहासिक शोभा यात्रा वाहन रैली रविवार 30 मार्च को टॉवर चौक से निकलेगी। जिसे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव केसरिया ध्वज दिखाएंगे वाहन रैली में फिल्म स्टार गोविंदा भी शामिल होंगे।

सिंधु जागृत समाज द्वारा सिंधी समाज के इष्ट देवता भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड महापर्व को लेकर वृहद बैठक कार्यक्रम के मुख्य संयोजक महेश परियानी एवं संतोष लालवानी के नेतृत्व में संपन्न हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि रविवार 30 मार्च को प्रातः 10 बजे टावर चौक फ्रीगंज से सिंधु जागृत समाज द्वारा भव्य एवं ऐतिहासिक वाहन रैली एवं शोभा यात्रा निकाली जाएगीं जिसमें सर्वप्रथम भगवान झूलेलाल का बेराणा ज्योत के साथ कंडाव प्रसाद वितरण करते हुए चलेंगे। कई विंटेज कारें, खुली जीपों में समाज के वरिष्ठजन एवं अध्यक्षजन एवं डीजे

गाड़ीयां, चार पहिया, दो पहिया वाहन, हजारों की संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे सम्मिलित होंगे।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि गीता कॉलोनी एवं सिंधी कॉलोनी से शोभायात्रा पहले टावर चौक पर आएगी। टावर चौक से इंदिरा नगर तक पूरी शोभा यात्रा का लाइव टेलीकास्ट टावर चौक पर लगाई गई स्क्रीन पर होता रहेगा। शोभा यात्रा में महिलाएं गुलाबी या रेड ड्रेस या साड़ी एवं लाल कलर का साफा पहनकर शोभायात्रा में शामिल होंगी। भगवान झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए समाजजन टॉवर चौक से चामुंडा माता चोराहा, देवास गेट, मालीपुरा, दौलतगंज, फव्वारा चौक, नई सड़क, कंठाल, तेलीवाड़ा चौराहा, निकास चौराहा, पटेल कॉलोनी, अंकपात मार्ग, खाक चौक होते हुए नवनिर्मित भगवान झूलेलाल के मंदिर इंदिरा नगर पर समाप्त होगा। जहां इंदिरा नगर पंचायत द्वारा भोजन प्रसादी रहेगी। टावर चौक से इंदिरा नगर तक संपूर्ण शोभायात्रा मार्ग पर केसरिया ध्वज लगाए जा रहे हैं। साथ ही रास्ते भर 100 से अधिक स्थानों पर स्वागत मंच बनाए जाएंगे। बैठक का संचालन गोपाल बलवानी ने किया। बैठक में विशेष तौर पर शोभा यात्रा संयोजक कपिल बाशानी, कमल शाहलानी, किशोर मुलानी, धर्मेंद्र खूबचंदानी, हरीश टेकवानी, जागृत समाज के प्रताप रोहडा, महेश गंगवानी, अजय रोहडा, रमेश राजपाल, रमेश समदानी, दौलत खेमचंदानी, मोहन वासवानी, रमेश गजरानी, तीर्थ रामलानी, किशन भाटिया, जवाहर सनमुखानी, डॉ जीतेन्द्र जेठवानी, अजय रोहरा, दीपक बेलानी, जितेन्द्र कृपलानी, गंगाराम राघवानी, लोकेश आडवानी, रितेश लालवानी, लालू नागवानी सहित कई पदाधिकारीगण मौजूद थे।

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने श्री महावीर तपोभूमि में किए दर्शन

उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन श्री महावीर तपोभूमि में दर्शन करने हेतु पहुंचे। जहां पर उन्होंने संपूर्ण 6 मंदिरों के दर्शन किए।

णमोकार मंत्र की माला फेरी एवं उज्जैन नगरी से भगवान महावीर स्वामी का क्या संबंध है, इसका इतिहास जाना साथ ही संपूर्ण जानकारी ली। तत्पश्चात समाज सचिव सचिन कासलीवाल ने उनका तिलक, माला और शॉल से सम्मान किया। तत्पश्चात ट्रस्ट द्वारा भी उनका सम्मान किया गया। 45 मिनट से भी अधिक समय अनुराग जैन तपोभूमि पर रुके और उन्होंने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज व कई साधु संतों की जानकारी ली एवं और कई विषयों पर चर्चा। श्री महावीर तपोभूमि ट्रस्ट के अशोक जैन चायवाला, दिनेश जैन, सुरेश जैन, उज्जैन संभाग आयुक्त संजय गुप्ता, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com